[श्री शंकर दयाल सिंह]

कि लोगों ने* कहा और मंत्री ने स्वीकार कर लिया । यह अच्छी बात नहीं है । यह बताइये, यह संसदीय है या असंसदीय है ? किसी मंत्री को* कहना संसदीय है या असंसदीय है ? **(व्यवधान)**

उपसभापति : यह रिकार्ड में नहीं गया है **(व्यवधान)**

श्री शंकर दयाल सिंह : लेकिन कान में तो चला गया **(व्यवधान)** मैडम, चीनी जैसी मीठी बात के लिये मैं कोई कड़वा शब्द नहीं चाहता हूं । कल्पनाथ जी मेरे मित्र भी हैं और भाई भी हैं । इनके बारे में जो लोगों ने* कहा है, इनको भले कुछ नहीं आये मगर हमको तो बड़ी शर्म आती है **(व्यवधान)**

उपसभापति : शंकर दयाल जी अगर मेरे हाथ में कोई बुच होता कान में लगाने का तो मैं सबसे पहले लगा देती **(व्यवधान)**

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Constitution (Seventy first Amendment) Bill, 1990.

SECRETARY-GENERAL : Madam, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary-General of the Lok Sabha :

> "I am directed to inform you that Lok Sabha, at its sitting held on Monday, the 13th June, 1994, adopted the following motion in regard to the Constitution (Seventy-first Amendment) Bill, 1990 which was passed by Rajya Sabha on the 29th April, 1992 and laid on the Table of the Lok Sabha on the 4th May, 1992 :

MOTION

> "That this House recommends to Rajya Sabha that Rajya Sabha do agree to leave being granted by this House to withdraw the Bill further to amend the Constitution of India, which was passed by Rajya Sabha on the 29th April, 1992 and laid on the Table of this House on the 4th May, 1992."

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) : सदर साहेबा, मैंने आपसे कहा है कि शुगर का मसला खत्म होने से पहले कोई बिजनेस नहीं होगा । यह बिल्कुल गलत बात है । सदर साहेबा, यह क्या बात है, यह गलत हो रहा है **(व्यवधान)**

†شری سکندر بخت : صدر صاحبہ میں نے آپ سے کہا ہے کہ شوگر کا مسئلہ ختم ہونے سے پہلے کوئی بزنس نہیں ہوگا ۔ یہ بالکل غلط بات ہے ۔ صدر صاحبہ یہ کیا بات ہے ۔ یہ غلط

उपसभापति : सिकन्दर बख्त साहब बोल रहे हैं, बैठिये **(व्यवधान)**

SHRI SIKANDER BAKHT : I am asking them to sit down. but what is happening ? This is not the way. I want to know what is happening.

THE DEPUTY CHAIRMAN : We will have other business.

SHRI SIKANDER BAKHT : We will have other business only after the sugar business is over. I am sorry. This is not right.

SHRI V. NARAYANASAMY : Madam, they are blocking the proceedings of the House.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

†[ ]Transliteration in Arabic Script.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI MARGARET ALVA) : Madam, we should take up 'Legislative Business' which has been listed for today. We are very clear about it. Our party is not going to allow the other party to hold the House to ransom. We should not adjourn the house.

श्री एस० एस० अहलुवालिया (बिहार) : मैडम, लिस्टेड बिजिनेस को लिया जाये ।

उपसभापति : बैठ जाइये । अभी यह बात खत्म हो गयी है । आप लोग जब बात खत्म हो जाती है फिर क्यों उसके बारे में बात करते हैं.. **(व्यवधान)** क्या होएगा ...**(व्यवधान)** मगर घोटाला है तो डिसक्शन आज नहीं, हो रहा है कल हो रहा है । अभी आप बैठिये । अपनी जगह पर बैठिये **(व्यवधान)**

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : मैडम, हम लोग यह शुरू से मानते आये हैं कि दोनों हाउसेज अपना अपना फंक्शन अपने आधार पर चलाते हैं । आज केवल लोकसभा में मंत्री महोदय को एकोमोडेट करने के लिये हम डिसक्शन चला रहे हैं और कोई कारण नहीं हैं । मेरा यह कहना है .. **(व्यवधान)** फिर तो यह डिसक्शन यहां चालू रखिये । यह जो प्वाइंट उठा और क्वैरिफिकेशन मांगने की बात थी, वह क्वैरिफिकेशन जारी रखना चाहिये ।

उपसभापति : आप थे नहीं । आपके ही लोगों ने मना किया भंडारी जी । Order, please. Now, I want to take the sense of the House regarding withdrawal of the Constitution (Seventieth Amendment) Bill, 1990.

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मेरी दरख्वास्त का क्या हुआ..... **(व्यवधान)**

†[ ] نیتا و روحی دل" شری سکندر بخت":
صدر صاحبہ میری درخواست کا کیا ہوا
.. مداخلت ... .

उपसभापति : मैं आपको दरख्वास्त के मुताबिक कह रही हूं... **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्त : बताइये क्या हुआ ।

شری سکندر بخت : بتائیے کیا ہوا۔

उपसभापति : मैं यहां डिक्टेटर थोड़े ही हूं । मैं तो आपके आदेश पर चलती हूं । हाउस में दूसरे लोग हैं **(व्यवधान)** एक मिनट बैठिये । आप लोग बहुत शोर करते हैं । मेरे कान दुखने लगे हैं । बैठिये एक मिनट जरा खामोशी से... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN : Let us settle this matter. The reason why I adjourned the House was to settle the matter with Members. I do not do things arbitrarily. I take everybody's consent. Everybody agreed. (*Interruptions*). Okay, you did not agree. But the majority agreed that Shri Kalp Nath Rai should go there because there is not enough time and tomorrow we will have the discussion. I said, "Fine". There is other business. There is still more than an hour of the time of the House left. We should take up the other business, which is withdrawal of the Constitution (Amendment) Bill and the Representation of the People (Amendment) Bill, which you have sought to oppose. I have got your name also.

आपका नाम, प्रमोद महाजन, माथुर साहब का, सुषमा स्वराज का एंड सत्य प्रकाश मालवीय का, पांच लोगों ने नोटिस

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

[The Deputy Chairman]

दिया है कि वे उस पर ओपोज करेंगे या बोलेंगे तो मैं उसी बिजनेस को ले रही हूं । अगर आपको एतराज है तो मैं हाउस का सेंस ले लूं । मुझे क्या है, मैं एडजर्न कर दूंगी अगर हाउस बोलेगा पूरा कि कर दो तो मैं कर दूंगी । कहोगें चलो तो मैं कहूंगी चलो । मुझे कुछ एतराज नहीं है ।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, मुझे यह बताइये, जस्ट ए मिनट, मैं अर्ज कर रहा हूं, मुझे सिर्फ इतना बताइये कि फर्ज कर लीजिये यह बिल, यह बिल का बिजनेस अगर आपने इस वक्त लिया और उसको ओपोज करने वाली तकरीर आज खत्म नहीं हुई तो आज का बिजनेस वह डिस्कंटीन्यू होगा । शूगर का बिजनेस फिर लिया जायेगा और यह विदड्राल का फिर उसके बाद लिया जायेगा । सदर साहिबा, जरा यह बताइये कि आखिर यह सब सीक्वेंस बात का क्या बनेगा ? इसका क्या सीक्वेंस बनेगा ?

†شری سکندر بخت : "مدھیہ پردیش"
صدر صاحبہ ۔ مجھے یہ بتائیے ۔ جسٹ ا ے
منٹ میں عرض کر رہا ہوں مجھے صرف اتنا
بتائیے کہ فرض کر لیجئے یہ بل ۔ یہ بل کا بزنس
اگر آپ نے اس وقت لیا اور اس کو اپوز
کرنے والی تقریریں آج ختم نہیں ہوئیں تو
آج کا بزنس وہ ڈسکنٹینیو ہوگا ۔ شوگر کا بزنس
پھر لیا جائے گا اور یہ ودڈراول کا پھر اس کے
بعد لیا جائے گا ۔ صدر صاحبہ ذرا یہ بتائیے کہ
آخر یہ سب سیکونس بات کا کیا بنے گا ۔ اس کا
کیا سیکونس بنے گا ۔

†[] Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति : सिकन्दर साहब, हम लोग कोई जरूरी नहीं है कि पांच बजे घर चले जायें ।

We can sit here later also. We can finish today's business and then go. We have not done even a penny's business today. Let us do some work. I agree with you that we will try to finsh it today. If you want to speak on the opposition please speak. You are welcome to speak. You are the Leader of the Opposition. You do it. There is no objection to that. Let us go ahead. We cannot just waste time any more.

श्री एस० एस० अहलुवालिया: महोदया, आप सेंस आफ द हाउस ले लीजिये ।

डा० मुरली मनोहर जोशी : (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मेरा आपसे बहुत विनम्र निवेदन है, सुबह से यह आपके ध्यान में लाया जा रहा है कि चीनी और चीनी का घोटाला यह आज देश के सामने सबसे प्रमुख विषय है... **(व्यवधान)** बिना इस पर विचार किये हुये हमें किसी विषय पर विचार करने की जरूरत नहीं है **(व्यवधान)**

उपसभापति : बैठ जाइये, आप गुस्सा नहीं करिये । **(व्यवधान)** प्लीज सिट डाउन । बैठिये, बैठ जाइये । आप सुबह से **(व्यवधान)** प्लीज सिट डाउन । प्लीज बैठिये, अहलुवालिया जी, प्लीज सिट डाउन ।

Since this morning you are making noise. (*Interruptions*). Now, please sit down. I am not allowing. I am not permitting any more discussion on this. (*Interruptions*). This is not the way. For the whole day, you have taken the time of this House. (*Interruptions*). Mr. Ahluwalia, please sit down. (*Interruptions*) For the whole day, you have been shouting. I am not allowing.

THE DEPUTY CHAIRMAN : No, I won't ask him. Please sit down. Enough is enough..(*Interruptions*).. No; you people have stalled the working of the House the whole day. I won't permit anything and I won't allow you to speak a word. I will take the senese of the House and I will call for voting whether the House should be adjourned or whether we should go ahead. ..(*Interruptions*).. I am very peacefully asking everybody to take his seat. Since morning you have been shouting slogans in this House. Is it proper behaviour ? And then you point out that somebody should sit down ! What about your behaviour the whole day ? ..(*Interruptions*).. Please keep quiet. Enough is enough. ..(*Interruptions*)..

आप यहां चोरों की बात करते हैं। इस हाउस में कभी चोर का लफ्ज नहीं बोला जाता।

It is unparliamentary. Don't you think that you have also violated ? .....(*Interruptions*).....

THE CONSTITUTION (SEVENTIETH AMENDMENT) BILL, 1990

THE DEPUTY CHAIRMAN : Legislative Business. Bills for withdrawal. Shri Hans Raj Bhardwaj.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI H. R. BHARDWAJ): Madam, I beg to move for leave to withdraw the Constitution (Seventieth Amendment) Bill, 1990.

The question was proposed

श्री सिकन्दर बख्त (विपक्ष के नेता) : मेडम, यह क्या हो रहा है ?

उपसभापति : : I am trying to settle the matter. They don't allow anybody to function at least and keep on shouting in the House. There is a limit ..(*Interruptions*)... No; I am sorry.

(श्री सिकन्दर बख्त) : सदर साहिबा, यह चीनी का मामला क्या कल लिया जाएगा और यह जो सिलसिला शुरू हुआ है, तो क्या उसे दरमियान में तोड़कर फिर लिया जा गा ? यह क्या हो रहा है ? हर चीज का सीक्वेंस टूट रहा है।

[†] شری سکندر بخت : صدر صاحبہ یہ چینی کا معاملہ کیا کل لیا جائے گا۔ اور یہ جو سلسلہ شروع ہوا ہے تو کیا اسے درمیان میں توڑ کے پھر لیا جائے گا۔ یہ کیا ہو رہا ہے ہر چیز کا سیکونس ٹوٹ رہا ہے۔

THE DEPUTY CHAIRMAN : We will discuss it. The motion is moved. Do you want to speak ?

SHRI SIKANDER BAKHT : What motion is moved ?...(*Interruptions*).. We are going to oppose that motion. Do you want us to oppose it into this sort of atmosphere ? ..(*Interruptions*)..

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ (Haryana) : You oppose the motion.

उपसभापति : बोलिए, सिकन्दर बख्त साहब, आपका नाम है। अभी बिल्कुल खामोशी से सुनिए। बहुत शोर हो गया इस हाउस में।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, यह मिनिस्टर साहब ने जो मोशन किया है। जो दो बिल इस हाउस में थे, उनके विदड्रावल का मोशन किया है।

[†] شری سکندر بخت : "مدھیہ پردیش" صدر صاحبہ یہ منسٹر صاحب نے جو موشن کیا ہے جو دو بل اس ہاؤس میں تھے اُن کے وڈرال کا موشن کیا ہے۔

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : (उत्तर प्रदेश) : एक किया है।

[†] Transliteration in Arabic Script.